12. विदेशों से व्यापार और सम्पर्क

राजा अशोक की मृत्यु के लगभग 50 साल बाद यूनानी राजाओं ने उत्तर-पश्चिम में अपना शासन जमाया। ये वो लोग थे जो **यूनान** से सिकन्दर और सेल्युकस के साथ आए थे और **मिस्र, ईरान** और **अफगानिस्तान** में आकर बस गए थे।

इस बीच दक्षिण भारत में सातवाहन वंश के राजाओं ने अपना अधिकार जमाया। कुछ समय बाद पश्चिम भारत पर शक वंश के लोग और उत्तर पश्चिम पर कुषाण वंश के लोगों ने अपना अधिकार जमा लिया। कुषाण और शक **मध्य एशिया** और **चीन** से संबंध रखते थे।

इस तरह के राज्य बनने से भारत, यूनान, रोम, मिस्र, ईरान, मध्य-एशिया और चीन के बीच खूब लेन-देन चलने लगा। भारत से माल लेकर व्याप.ी उन देशों में जाते, वहां की बनी चीज़ें यहां लाते। उन देशों के व्यापारी भी यहां आते थे।

संसार के मानचित्र में इन सब जगहों को ढूंढ लो। ध्यान रखना यूनान के लिए ग्रीस शब्द का प्रयोग होगा; और रोम आज इटली नाम के देश की राजधानी है।

सिक्के

इस व्यापार के कारण यहां की कई चीज़ों पर विदेशों का भी असर पड़ा। उदाहरण के लिए सिक्के बनाने का नया तरीका।

यूनानी सिक्के

ये देखो यूनानी और कुषाण राजाओं के सिक्के - किसी पर राजा का चेहरा बना है तो किसी पर राजा की पूरी आकृति बनी है और साथ ही कुछ लिखा भी है। ये सिक्के सोने या चांदी को पिघलाकर और सांचों में ढालकर बनाए जाते थे। इन राजाओं के सिक्कों को देखकर दूसरे राजाओं ने भी सांचे में ढालकर सिक्के बनाने शुरू किए; इससे पहले सिक्के बनाने का तरीका दूसरा था। तुमने महाजनपदों के समय के सिक्कों के चित्र पृष्ठ 71पर देखे हैं।

कुषाण सिक्का

क्या वे इन सिक्कों से अलग दिखते हैं? वर्णन करो।

महाजनपद के सिक्के चांदी के बनते थे।चांदी की चादर को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटा जाता था। फिर उन टुकड़ों पर राजा अपना ठप्पा लगवाता था।

मूर्तिकला

भारत में मूर्तियां बनाने के ढंग पर भी विदेशी कलाकारों का असर पड़ा। यह देखो मथुरा क्षेत्र में बनी बुद्ध की मूर्ति।

इस समय गन्धार के कलाकार भी बुद्ध की मूर्तियां बनाते थे। यह उनके द्वारा बनाई गई एक मूर्ति देखो।

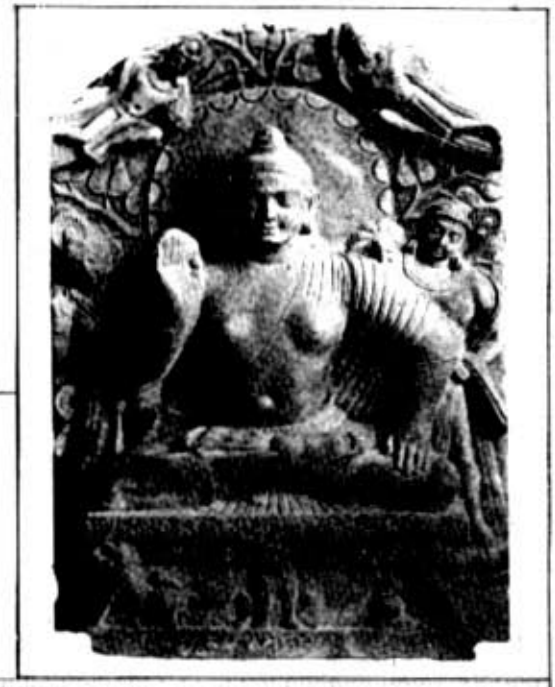

मथुरा शैली की मूर्ती

गन्धार शैली की मूर्ती

कोई फर्क दिखाई दिया?

मूर्ति के कपड़ों की चुन्नटें कहां के कलाकार ज़्यादा दिखाते थे?

बालों के घुंघरालेपन को कहां के कलाकार ज़्यादा उभारकर बनाते थे?

क्या तुम्हें और भी कोई फर्क दिख रहा है?

यह फर्क कैसे आया? भारत के उत्तर पश्चिम में गन्धार के पास यूनान, रोम और मिस्र के कलाकार आकर बसे थे। इन लोगों ने भारत के लोगों को अपनी मूर्तिकला सिखाई और भारतीय मूर्तिकारों से उनकी कला सीखी। गन्धार के कलाकार वैसी मूर्तियां बनाने लगे जैसी यूनान व रोम के कलाकार बनाते थे।

हफ्ते

आजकल हम महीनों को सप्ताह में बांटते हैं, और सप्ताह को सात दिनों में। हर दिन को सूर्य, चन्द्रमा और ग्रहों के नाम से बुलाते हैं। जैसे-रविवार, सोमवार, मंगलवार, बुधवार ..... पर ऐसा हम हमेशा से नहीं करते आये हैं। यह प्रथा हमने यूनानियों से सीखी। इससे पहले दिन गिनने के और तरीके थे। क्या तुम्हें इन तरीकों के बारे में पता है?

धर्मों का आदान-प्रदान

यह वो समय था जब भारत से बौद्ध श्रमण और ब्राह्मण मध्य एशिया और चीन गए और उन्होंने

विचार वहां के लोगों के बीच फैलाये। इसी समय ईसा मसीह का एक शिष्य इसाई धर्म का प्रचार करने रोम के व्यापारियों के साथ दक्षिण भारत आया। उसका नाम संत थॉमस था।

कुल मिलाकर यह ऐसा समय था जब दूर-दूर के देश के लोगों ने एक दूसरे से संपर्क स्थापित किया, व्यापार किया, चीज़ों, विचारों और रीति रिवाज़ों का आदान प्रदान किया।

आयुर्वेद

इन्हीं दिनों बीमारी और **चिकित्सा** का व्यवस्थित अध्ययन किया जाने लगा। लोगों को क्या-क्या बीमारियां होती हैं, अलग-अलग बीमारियों के क्या-क्या लक्षण हैं, उनका क्या इलाज हो सकता है - आदि बातों का अध्ययन करके पुस्तकें लिखी जाने लगीं। चरक नाम के एक महान वैध्य ने 'चरक संहिता' नामक पुस्तक इसी विषय पर लिखा। इस तरह के प्रयासों से **आयुर्वेद** नाम की चिकित्सा का तरीका बना। इसमे बीमारियों से कैसे बचें और स्वस्थ जीवन कैसे बिताएं - इस विषय पर लिखा है।

व्याकरण

भारत के सबसे महान चिंतकों में से पाणिनि एक हैं। पाणिनि ने भाषाओं का बहुत गहराई से अध्ययन किया और एक बहुत महत्वपूर्ण पुस्तक लिखी जिसका नाम है, 'अष्ठाध्यायी'। यह पुस्तक संस्कृत भाषा के व्याकरण पर है - इसमें शब्द केसे बनते हैं, वाक्य कैसे बनते हैं आदि विषयों पर लिखा है।

अभ्यास के प्रश्न

1 मौर्य वंश के बाद शासन करने वाले वंशों के नाम बताओ।

3 भारत से किस दिशा में जाने पर यूनान व रोम मिलेंगे?

7 विदेशों के असर से भारत में
क) सिक्के बनाने में क्या फर्क आया? ख) मूर्ति बनाने में क्या फर्क आया? ग) दिन गिनने में क्या फर्क आया?

8 भारत से कौन-कौन लोग दूसरे देशों को जाते थे और क्यों?

9 अलग-अलग समय के सिक्कों की अपनी पहचान होती है। क्या नीचे दिए चित्रों में से जनपदों के सिक्के व कुषाण वंश के सिक्के अलग छांट सकते हो?

10 कौन सी मूर्ति मथुरा के मूर्तिकारों ने बनाई है और कौन सी गन्धार के मूर्तिकारों ने? पहचानो!